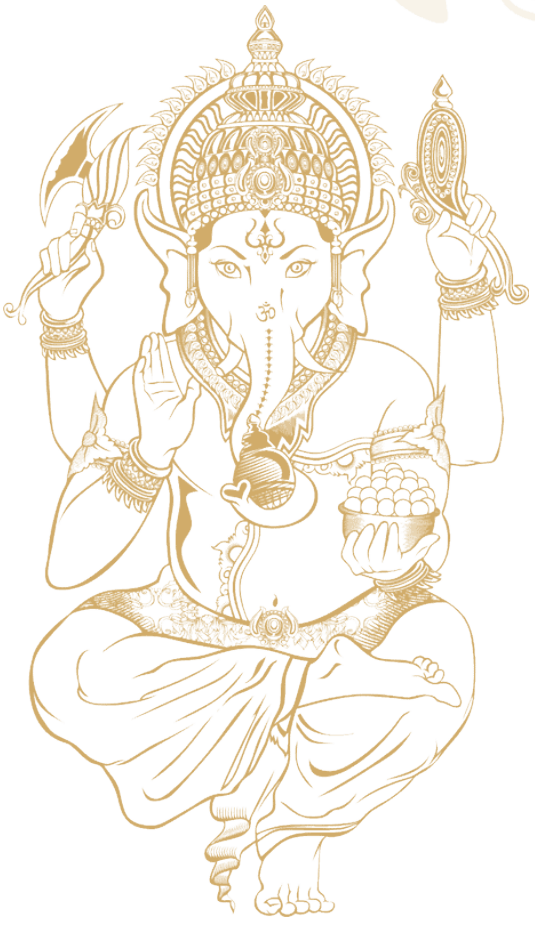

# Manvit

29 Oct 2024

02:14 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121007507

| | |
|---|---|
| लिंग | पुल्लिंग |
| **जन्म तिथि** | **29/10/2024** |
| दिन | मंगलवार |
| **जन्म समय** | **14:14:00 घंटे** |
| इष्ट | 19:16:19 घटी |
| **स्थान** | **Delhi** |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 28:39:00 उत्तर |
| रेखांश | 77:13:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | -00:21:08 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 13:52:52 घंटे |
| वेलान्तर | 00:16:21 घंटे |
| साम्पातिक काल | 16:25:34 घंटे |
| सूर्योदय | 06:31:28 घंटे |
| सूर्यास्त | 17:38:02 घंटे |
| दिनमान | 11:06:34 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | दक्षिणायन |
| सूर्य स्थिति(गोल) | दक्षिण |
| ऋतु | हेमन्त |
| सूर्य के अंश | 12:13:01 तुला |
| लग्न के अंश | 03:04:48 कुम्भ |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | कुम्भ - शनि |
| **राशि-स्वामी** | **कन्या - बुध** |
| **नक्षत्र-चरण** | **उ०फाल्गुनी - 4** |
| नक्षत्र स्वामी | सूर्य |
| योग | वैधृति |
| करण | गर |
| गण | मनुष्य |
| योनि | गौ |
| नाड़ी | आद्य |
| वर्ण | वैश्य |
| वश्य | मानव |
| वर्ग | मूषक |
| युँजा | मध्य |
| हंसक | भूमि |
| जन्म नामाक्षर | पी-पीयूष |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | लौह - रजत |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | वृश्चिक |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | कुंभ | 03:04:48 | 472:55:29 | धनिष्ठा | 3 | 23 | शनि | मंगल | शुक्र | --- |
| सूर्य | | | तुला | 12:13:01 | 00:59:57 | स्वाति | 2 | 15 | शुक्र | राहु | शनि | नीच राशि |
| चंद्र | | | कन्या | 07:52:40 | 11:46:11 | उ०फाल्गुनी | 4 | 12 | बुध | सूर्य | शुक्र | मित्र राशि |
| मंगल | | | कर्क | 03:41:29 | 00:22:57 | पुष्य | 1 | 8 | चंद्र | शनि | शनि | नीच राशि |
| बुध | | | तुला | 29:29:42 | 01:26:42 | विशाखा | 3 | 16 | शुक्र | गुरु | चंद्र | मित्र राशि |
| गुरु | व | | वृष | 26:27:54 | 00:03:58 | मृगशिरा | 1 | 5 | शुक्र | मंगल | गुरु | शत्रु राशि |
| शुक्र | | | वृश्चि | 19:43:55 | 01:12:11 | ज्येष्ठा | 1 | 18 | मंगल | बुध | शुक्र | सम राशि |
| शनि | व | | कुंभ | 18:44:51 | 00:01:46 | शतभिषा | 4 | 24 | शनि | राहु | चंद्र | मूलत्रिकोण |
| राहु | | | मीन | 12:17:17 | 00:00:28 | उ०भाद्रपद | 3 | 26 | गुरु | शनि | मंगल | सम राशि |
| केतु | | | कन्या | 12:17:17 | 00:00:28 | हस्त | 1 | 13 | बुध | चंद्र | राहु | शत्रु राशि |
| हर्ष | व | | वृष | 01:48:01 | 00:02:19 | कृतिका | 2 | 3 | शुक्र | सूर्य | गुरु | --- |
| नेप | व | | मीन | 03:20:59 | 00:01:12 | उ०भाद्रपद | 1 | 26 | गुरु | शनि | शनि | --- |
| प्लूटो | | | मक | 05:30:39 | 00:00:30 | उत्तराषाढ़ा | 3 | 21 | शनि | सूर्य | बुध | --- |
| दशम भाव | | | वृश्चि | 13:56:50 | -- | अनुराधा | -- | 17 | मंगल | शनि | राहु | -- |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:11

## लग्न-चलित

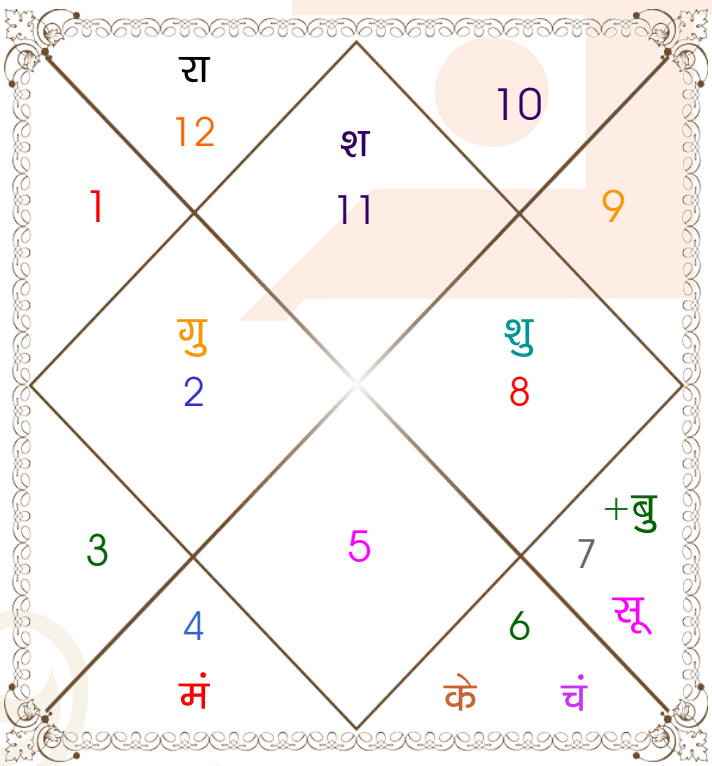


## चन्द्र कुंडली

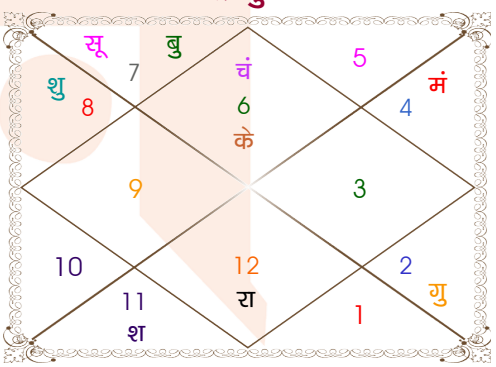


## नवमांश कुंडली

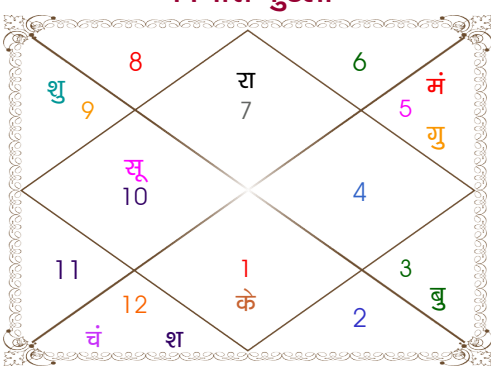

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 11 मास 13 दिन

| सूर्य 6 वर्ष | | चंद्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | | गुरु 16 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 29/10/2024 | | 13/10/2025 | | 13/10/2035 | | 13/10/2042 | | 13/10/2060 | |
| 13/10/2025 | | 13/10/2035 | | 13/10/2042 | | 13/10/2060 | | 13/10/2076 | |
| 00/00/0000 | चंद्र | 13/08/2026 | मंगल | 11/03/2036 | राहु | 25/06/2045 | गुरु | 01/12/2062 | |
| 00/00/0000 | मंगल | 14/03/2027 | राहु | 29/03/2037 | गुरु | 19/11/2047 | शनि | 13/06/2065 | |
| 00/00/0000 | राहु | 12/09/2028 | गुरु | 05/03/2038 | शनि | 25/09/2050 | बुध | 19/09/2067 | |
| 00/00/0000 | गुरु | 12/01/2030 | शनि | 14/04/2039 | बुध | 13/04/2053 | केतु | 25/08/2068 | |
| 00/00/0000 | शनि | 14/08/2031 | बुध | 10/04/2040 | केतु | 02/05/2054 | शुक्र | 26/04/2071 | |
| 00/00/0000 | बुध | 12/01/2033 | केतु | 06/09/2040 | शुक्र | 02/05/2057 | सूर्य | 12/02/2072 | |
| 00/00/0000 | केतु | 13/08/2033 | शुक्र | 06/11/2041 | सूर्य | 26/03/2058 | चंद्र | 13/06/2073 | |
| 29/10/2024 | शुक्र | 14/04/2035 | सूर्य | 14/03/2042 | चंद्र | 25/09/2059 | मंगल | 20/05/2074 | |
| शुक्र 13/10/2025 | सूर्य | 13/10/2035 | चंद्र | 13/10/2042 | मंगल | 13/10/2060 | राहु | 13/10/2076 | |

| शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 13/10/2076 | | 13/10/2095 | | 14/10/2112 | | 14/10/2119 | | 14/10/2139 | |
| 13/10/2095 | | 14/10/2112 | | 14/10/2119 | | 14/10/2139 | | 30/10/2144 | |
| शनि | 16/10/2079 | बुध | 11/03/2098 | केतु | 12/03/2113 | शुक्र | 13/02/2123 | सूर्य | 01/02/2140 |
| बुध | 26/06/2082 | केतु | 08/03/2099 | शुक्र | 12/05/2114 | सूर्य | 13/02/2124 | चंद्र | 02/08/2140 |
| केतु | 04/08/2083 | शुक्र | 07/01/2102 | सूर्य | 17/09/2114 | चंद्र | 14/10/2125 | मंगल | 07/12/2140 |
| शुक्र | 04/10/2086 | सूर्य | 14/11/2102 | चंद्र | 18/04/2115 | मंगल | 14/12/2126 | राहु | 01/11/2141 |
| सूर्य | 16/09/2087 | चंद्र | 14/04/2104 | मंगल | 14/09/2115 | राहु | 14/12/2129 | गुरु | 20/08/2142 |
| चंद्र | 16/04/2089 | मंगल | 11/04/2105 | राहु | 01/10/2116 | गुरु | 14/08/2132 | शनि | 02/08/2143 |
| मंगल | 26/05/2090 | राहु | 30/10/2107 | गुरु | 07/09/2117 | शनि | 14/10/2135 | बुध | 08/06/2144 |
| राहु | 01/04/2093 | गुरु | 04/02/2110 | शनि | 17/10/2118 | बुध | 14/08/2138 | केतु | 14/10/2144 |
| गुरु | 13/10/2095 | शनि | 14/10/2112 | बुध | 14/10/2119 | केतु | 14/10/2139 | शुक्र | 30/10/2144 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 11 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म धनिष्ठा नक्षत्र के तृतीय चरण में कुंभ लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर तुला राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नादिक समन्वित आकृति से ऐसा सूचित हो रहा है कि आप एक सैद्धांतिक व्यक्ति हैं। आपका लक्ष्य सर्वोतम जीवन की प्राप्ति है न कि किसी भी प्रकार से धन संचय करना। आप धन को मात्र आवश्यकता की पूर्ति का साध्य समझते हैं। आप धन को संसार का अस्तित्व समझते हैं। परंतु ऐसा संदेह है कि आप धन की खोज में व्यस्त नहीं रहते। धन तो आपके पास निश्चित रूप से आएगा।

संप्रति आप चाहे जैसे भी हो सम्पत्ति उपार्जन में संलग्न रहने के कोई अधिक महत्व नहीं देते हैं। आप अपने जीवन में संतोषप्रद समय व्यतीत करेंगे। आपकी स्पष्टवादिता एक नाटकीय संबंध स्थापित करेगा। तथापि आप अपने आरामदायक जीवन व्यतीत करने के लिए वास्तविक लाभांश प्राप्त करने हेतु समर्थ हैं। आप अपने एवं अपने पारिवारिक आवश्यक आवश्यकता हेतु उपयुक्त साधन प्राप्त कर लेंगे।

आप कठिन श्रम साध्य की साधना से भिन्न हैं तथा यह जानते हैं कि अपनी उन्नति हेतु अपने मालिक का किस प्रकार प्रसन्न एवं अनुकूल रखा जाएगा। आप धन्नादि से संपन्न एवं आपकी स्मरण शक्ति विशाल है तथा आप शुद्ध चित्त से किसी भी विषय पर विचार करते हैं। आप में ऐसी संगठनात्मक क्षमता विद्यमान हो सकती है कि किसी भी बड़े कार्य को दिन प्रतिदिन संचालन हेतु कैसा नेतृत्व चाहिए। तथापि आप ऊपर से आधुनिक मेधावी हैं। आप गंभीर रूप से मूल विचार को सुगमता पूर्वक कार्यान्वित करने के लिए पर्याप्त हैं।

इस संदर्भ में ऐसा ज्ञात होता है कि आप अभाग्यता से युक्त होकर भी भाग्यशाली हैं। अभाग्यता की भूमिका आपके स्वास्थ्य से युक्त है। इसमें संदेह नहीं है कि आपका जीवन उत्तम, सुखद एवं आनंददायक होगा। परंतु आपकी शक्ति सीमित रोगादि के कारण शक्ति क्षीण हो जाएगी। इस प्रकार निःसंदेह ऐसा लगता है कि आपको किसी भी रोग से निरोग होने में कुछ समय लग जाएगा। इसलिए आपको इस विंदु पर विचार करना चाहिए कि इस प्रकार के कार्य-कलाप को परित्याग कर देना चाहिए। जिसके प्रभाव से आप रोगग्रस्त हो जाएं तथा शीघ्रता पूर्वक आपको चिकित्सक का परामर्श लेना चाहिए।

कुंभ राशीय प्रभाव से ऐसा संदेह है कि आपको छूआ-छूत अथवा विषाणुयुक्त रोग हो सकता है। ऐसा हो सकता है कि गले का रोग, दांत या आंखों में दिक्कते आ सकती हैं। आपको अपने जीवन की 15 वें 23 वें एवं 29 वें वर्ष में इसके संबंध में ध्यान देकर स्वास्थ्य रक्षा हेतु सतर्क रहना चाहिए।

आप धार्मिक प्रवृत्ति के प्राणी हैं। आप में ऐसा गुण विद्यमान है कि सांसारिक सुखों से युक्त रहकर सुखद जीवन का विस्तार करेंगे। बल्कि आप अपने परिवार के साथ संयुक्त रह कर भी आप स्वतः धार्मिक कार्यों से संलग्न रहेंगे। परंतु वास्तव में आप मानवीय भावनाओं एवं समर्पित भाव से अपनी पत्नी एवं अपनी संतान से संबंधित रहेंगे।

आप अपनी प्रतिभा एवं प्रवृति के अनुसार संबंधित कार्य-व्यवसाय का चयन कर धन प्राप्ति करेंगे। अतएव आप कंपनी के कार्यकारी अधिकारी पद, वैज्ञानिक कार्य, ज्योतिषीय कार्य, प्रोफेसर एवं शैक्षणिक सलाहकार, विधि एवं धन संबंधी कार्य-कलाप आपके लिए लाभदायक होगा। आयात-निर्यात् कार्य-व्यवसाय भी सर्वथा आपके लिए अनुकूल हो सकता है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन शनिवार, एवं शुक्रवार का दिन अनुकूल प्रमाणित है। आपके लिए शेष तीन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

अंकों में आपके हित अनुकूल एवं भाग्यशाली अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंकों का त्याग करना आपके लिए उत्तम है।

आप रंगों में नारंगी, हरा एवं नीले रंगों का परित्याग करें एवं आपके लिए सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग उत्तम एवं संतोषप्रदायक है।